वामन द्वारा अंकीय परिकल्पना

गाड़ेपछ्ठि वेंकट विश्वनाथ शर्मा *

Contents

नामक	रण	1
1	तंत्रांश	1
2	सप्रतिष्ठान	1
3	दशक गणित्र	2

सार—इस आलेख में वामन को दशक गणित्र के रूप में उपयोग करने का विधान प्रस्तुत है।

नामकरण

संचय

Computer	संगणक
Download	अवाहरत
Execute	निष्पादित, चालयन
Flash	प्रस्फुरण
Hardware	यंत्रान्श
Now	इदान
Permutation	क्रमच्य
Programming	क्रमादेशन
Resistance	प्रतिरोध
Software	तंत्रान्श
Weblink	जालबन्धन
Wordlength	मात्राभार

Combination

1 तंत्रांश

इस आलेख के समस्त क्रमादेश निम्न जालबन्धन में उपलब्ध हैं।

https://github.com/gadepall/vaman/ tree/master/arm/codes/decoders

*रचियता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद,५०२२८५ के विद्युत अभियान्त्रिकी विभाग में कार्यरत हैं, ईमेल:gadepall@ee.iith.ac.in। यह लेख मुक्त स्रोत विचारधारा के अनुरूप है।

D	С	В	A	a	b	С	d	e	f	g	Decimal
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
0	0	0	1	1	0	0	1	1	1	1	1
0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	2
0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	3
0	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	4
0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	6
0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	1	7
1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8
1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	9

सारणी. 2.1.1: प्रदर्शी निष्कृटक की सत्य सारिणी ।

2 सप्रतिष्ठान

2.1. सारणी 2.1.1 को वामन एवं सप्तांश प्रदर्शी से कार्यान्वित करें।

हल: निम्न समीकरण में सारणी 2.1.1 के निर्गत चर a,b,c,d,e,f,g की अभिव्यक्ति आगत चर A,B,C,D के द्वारा की गयी है

$$a = AB'C'D' + A'B'CD'$$
 (2.1.1)

$$b = AB'CD' + A'BCD' \tag{2.1.2}$$

$$c = D'C'BA' \tag{2.1.3}$$

$$d = AB'C'D' + A'B'CD' + ABCD' + AB'C'D$$
(2.1.4)

$$e = AB'C'D' + ABC'D' + A'B'CD' + AB'CD'$$

$$+ ABCD' + AB'C'D \tag{2.1.5}$$

$$f = AB'C'D' + A'BC'D' + ABC'D' + ABCD'$$
(2.1.6)

g = A'B'C'D' + AB'C'D' + ABCD' (2.1.7)

निम्न क्रमादेश को इदान निष्पादित करें।

codes/decoders/dispdec/main.c

A, B, C, D को GND से योजित करें। तत्पश्चात चरों के भिन्न संचय के लिये प्रदर्शी में प्राप्त अंकों को सारणी 2.1.1 से सत्यापित करें।

Z	Y	X	W	D	С	В	Α
0	0	0	0	0	0	0	1
0	0	0	1	0	0	1	0
0	0	1	0	0	0	1	1
0	0	1	1	0	1	0	0
0	1	0	0	0	1	0	1
0	1	0	1	0	1	1	0
0	1	1	0	0	1	1	1
0	1	1	1	1	0	0	0
1	0	0	0	1	0	0	1
1	0	0	1	0	0	0	0

सारणी. 2.2.1: परवर्ती निष्कूटक की सत्य सारिणी ।

2.2. सारणी 2.2.1 में एक परवर्ती निष्कूटक के गुणधर्म का उल्लेख है। बूलीय समीकरणों के द्वारा A,B,C,D को W,X,Y,Z के व्यञ्जकों में व्यक्त करें। इसके पश्चात वामन के द्वारा परवर्ती निष्कूटक को कार्यान्वियत करें। हल: निम्न समीकरणों में आवश्यक व्यञ्जक उपलब्ध हैं।

$$A = W'X'Y'Z' + W'XY'Z' + W'X'YZ' + W'XYZ' + W'XYZ' + W'X'Y'Z$$
 (2.2.1)

$$B = WX'Y'Z' + W'XY'Z'$$

$$+ WX'YZ' + W'XYZ'$$
 (2.2.2)

$$C = WXY'Z' + W'X'YZ'$$

$$+ WX'YZ' + W'XYZ' \qquad (2.2.3)$$

$$D = WXYZ' + W'X'Y'Z \tag{2.2.4}$$

निम्न कमादेश का चालयन करें। प्रदर्शी में परवर्ती अंक उत्पन्न होंगे।

codes/decoders/incdec/main.c

2.3. आकृति. 2.3.2 में वामन के समस्त कुशाव्यूह प्रस्तुत हैं। कुशाव्यूह J5 को आकृति 2.3.1 में प्रदत्त सप्तांश प्रदर्शी के कुशों से सारणी 2.3.1 के द्वारा योजित करें। ध्यान रहे कि COM एवं 3.3V के मध्य एक प्रतिरोधी अनिवार्य है।

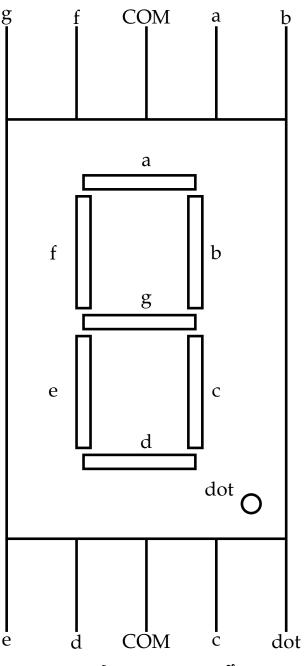
3 दशक गणित्र

- 3.1. आकृति. 3.1.1 के आधार पर क्रमादेश 2.2 में संशोधन करें एवं वामन के द्वारा दशक गणित्र का निर्माण करें।
- 3.2. पूर्ववतरी निष्कूटक की अभिकल्पना एवं कार्यान्वयन करें।

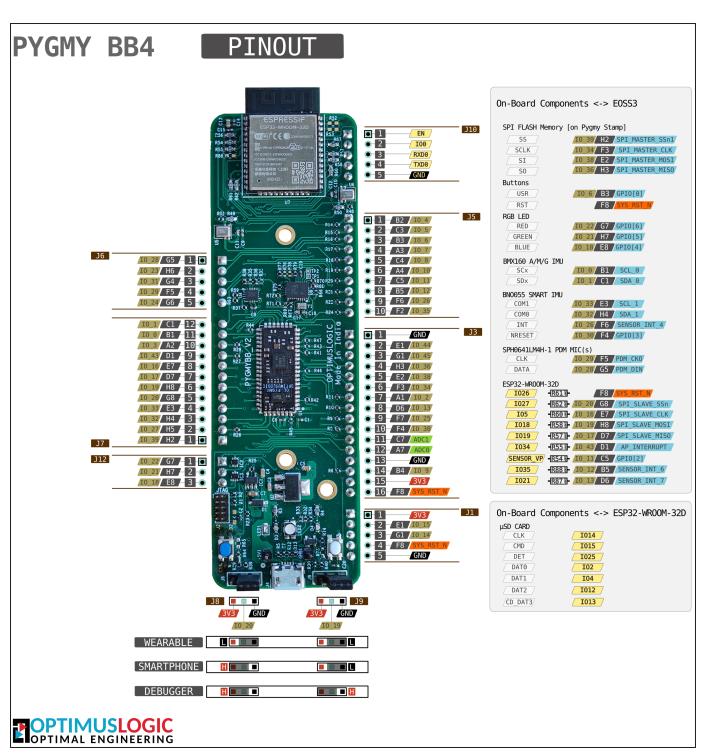
प्रद्शा	वामन
a	IO_4
b	IO_5
С	IO_6
d	IO_7
e	IO_8
f	IO_10
g	IO_11
COM	3.3 V

आगत चर	वामन कुश
A	IO_28
В	IO_23
С	IO_31
D	IO_12

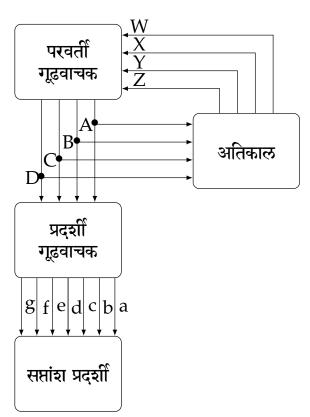
सारणी. 2.3.1: सप्तांश प्रदर्शी-वामन कुश योजना।



आकृति. 2.3.1: सप्तांश प्रदर्शी



आकृति. 2.3.2: कुश आरेख



आकृति. 3.1.1: दशक गणित्र का खंड आरेख.